Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue regarding the leakage of sensitive data at Northern Command Headquaters of Indian Army in Udhampur.

श्री मनीश तिवारी (आनंदपुर साहिब): माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

जो खबरें सार्वजनिक हुई हैं, उनके अनुसार भारत की थल सेना के उत्तरी कमांड से एक बहुत ही संवेदनशील डेटा लीक हुआ है । डेटा लीक होने की वजह से हमारी जो सामरिक परिस्थिति है, उसके कारण एलएसी और एलओसी पर बहुत ही नकारात्मक असर पड़ा है और जो खबरें सार्वजनिक हुई हैं, उनके अनुसार यह डेटा इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई, पाकिस्तान द्वारा हमारे कुछ लोगों से लिया गया है ।

महोदय, ये चीजें इसलिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हाल ही में एक रिपोर्ट छपी थी कि अमेरिका की एक कम्पनी है, जिसका नाम रिकॉर्डेड फ्यूचर है । उसके अनुसार वर्ष 2020 की शुरुआत से ही भारत का जो ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो पॉवर सेक्टर है, उसको चीन द्वारा और चीनी हैकर्स द्वारा टारगेट किया गया है । ये चीजें इसलिए बहुत गम्भीर हैं क्योंकि इस वर्ष चीन का 209 बिलियन डॉलर का जो रक्षा बजट है, उसमें से बहुत सारा पैसा उन्होंने स्ट्रेटेजिक सपोर्ट फोर्स, जो उनकी साइबर कमांड है, जो साइबर वॉरफेयर को क्रियान्वित करती है, उसके ऊपर उन्होंने पैसे खर्च किए हैं ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ, संसदीय कार्य मंत्री जी अभी चले गए, लेकिन यहाँ पर जो भी उनके प्रतिनिधि बैठे हैं, मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि रक्षा मंत्री जी को इस सदन में आना चाहिए और इस सदन के समक्ष यह बात रखनी चाहिए कि जो वॉरफेयर का नया थियेटर खुला है, जिसे साइबर वॉरफेयर कहते हैं, उससे निपटने के लिए भारत की कितनी तैयारी है? मैं आपसे यही आग्रह करना चाहता हूँ । धन्यवाद।